

इस में बसा है जी डमरु वाला

तन मेरा मंदिर और मन है शिवाला ,
इसमें बसा है जी बस डमरु वाला,
दिन रात जपता हु बस उसकी माला,
इसमें बसा है जी धमरु वाला,

मुझको ना जाने ये क्या हो गया है,उसकी गली में दिल खो गया है,
ना जाने कैसा ये जदू ढाला,इसमें बसा है जी धमरु वाला,

भोले के संग कैसी लागी लगन है आई न नींदिया लगे भूख कम है,
ना पियु पानी न शूहू निवाला इस में बसा है जी डमरु वाला,

देखा यहाँ तक नजर मेरी जाये भोला ही भोला नजर मुझको आये,
रहता है आँखों में उसका उजाला इस में बसा है जी डमरु वाला,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2806/title/tan-mera-mandir-or-man-hai-shivala-isme-vasa-hai-ji-damru-vala>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |